Model: M-Y4

SrNo: 110-120-101-1102 / 3 Date: 22/11/2020

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/2007	जन्म तिथि	**24-25/12/2021**
मंगलवार	दिन	शुक्र–शनिवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	00:34:01 घंटे
घटी 07:38:35	जन्म समय(घटी)	43:26:34 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:34	सूर्योदय	07:11:23
17:30:00	सूर्यास्त	17:30:20
23:58:15	चित्रपक्षीय अयनांश	24:09:36
मकर	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	सिंह
बुध	राशि–स्वामी	सूर्य
पुनर्वसु	नक्षत्र	मघा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	4
ऐन्द्र	योग	प्रीति
तैतिल	करण	गर
को–कोमल	जन्म नामाक्षर	मे–मेनका
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
मार्जार	योनि	मूषक
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मूषक
14	गत / तत्कालिक वर्ष	15

जन्म – विवरण

ग्रह	व	राशि	अंश	पद	नक्षत्र	अ
लग्न		मकर	27:23:15	2	धनिष्ठा	
सूर्य		धनु	09:01:32	3	मूल	
चंद्र		मिथुन	24:38:38	2	पुनर्वसु	
मंगल	व	मिथुन	08:29:52	1	आर्द्रा	
बुध		धनु	13:19:50	4	मूल	अ
गुरु		धनु	07:29:10	3	मूल	अ
शुक्र		तुला	29:19:48	3	विशाखा	
शनि	व	सिंह	14:34:04	1	पू०फाल्गुनी	
राहु	व	कुम्भ	05:12:37	4	धनिष्ठा	
केतु	व	सिंह	05:12:37	2	मघा	
मु		कुम्भ	21:12:14	1	पू०भाद्रपद	

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:36

लग्न–चलित

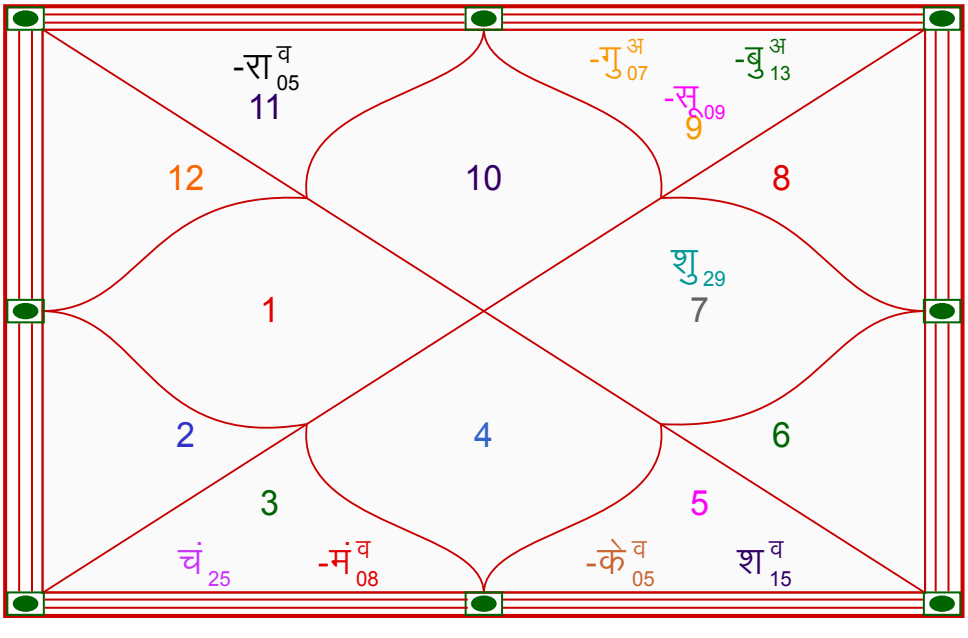

वर्ष – विवरण

ग्रह	व	राशि	अंश	पद	नक्षत्र	अ
लग्न		कन्या	11:46:55	1	हस्त	
सूर्य		धनु	09:01:32	3	मूल	
चंद्र		सिंह	11:26:18	4	मघा	
मंगल		वृश्चिक	13:50:02	4	अनुराधा	
बुध		धनु	23:11:03	3	पूर्वाषाढ़ा	
गुरु		कुम्भ	05:01:14	4	धनिष्ठा	
शुक्र	व	मकर	01:44:10	2	उत्तराषाढ़ा	
शनि		मकर	16:58:57	3	श्रवण	
राहु	व	वृष	07:03:45	4	कृतिका	
केतु	व	वृश्चिक	07:03:45	2	अनुराधा	
मु		मीन	27:23:15	4	रेवती	

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:36

वर्ष लग्न कुंडली

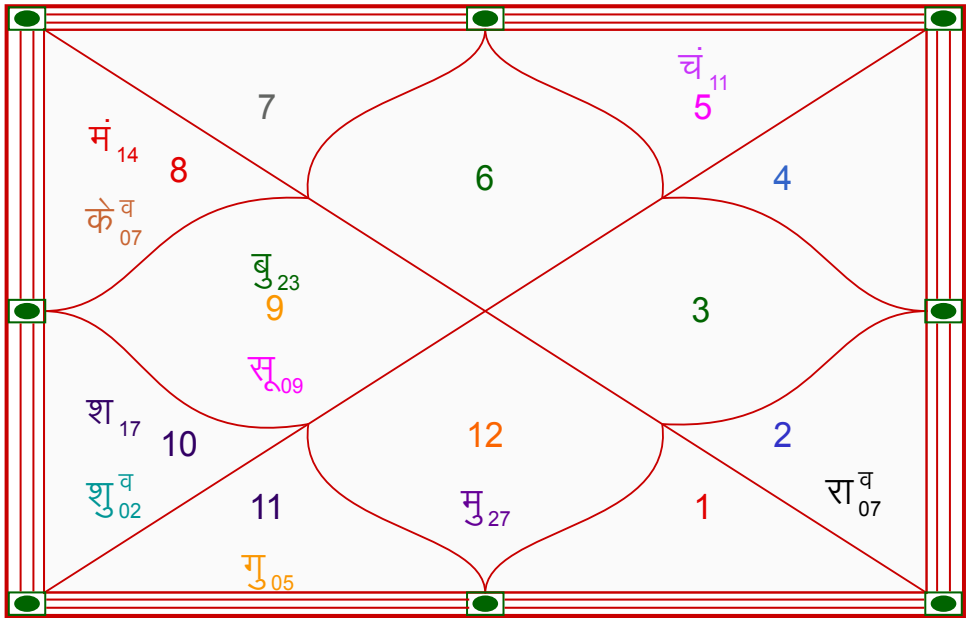

चन्द्र कुंडली

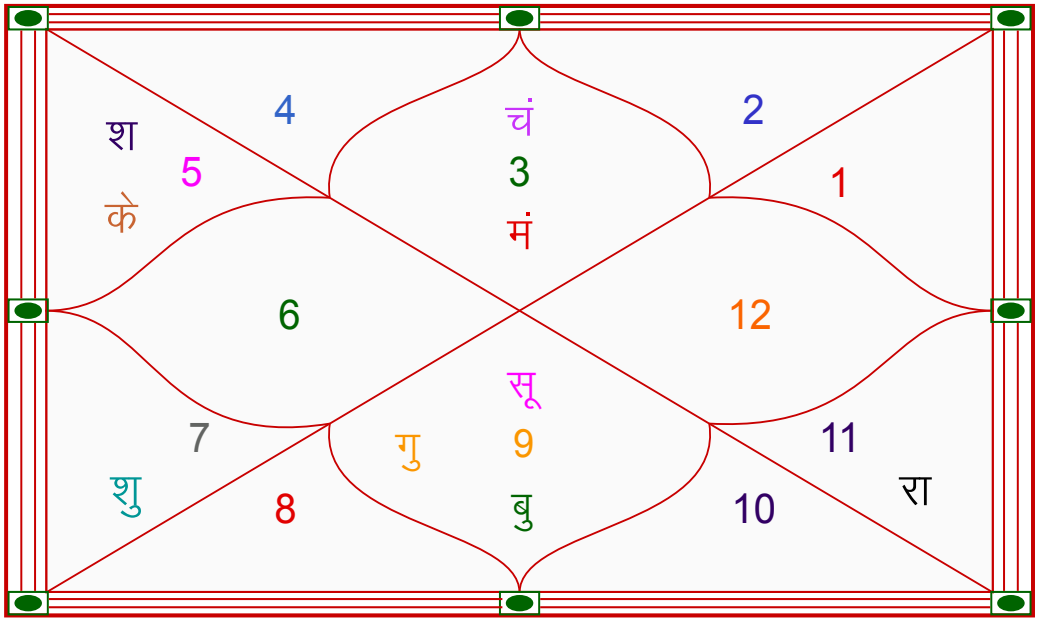

नवमांश कुंडली

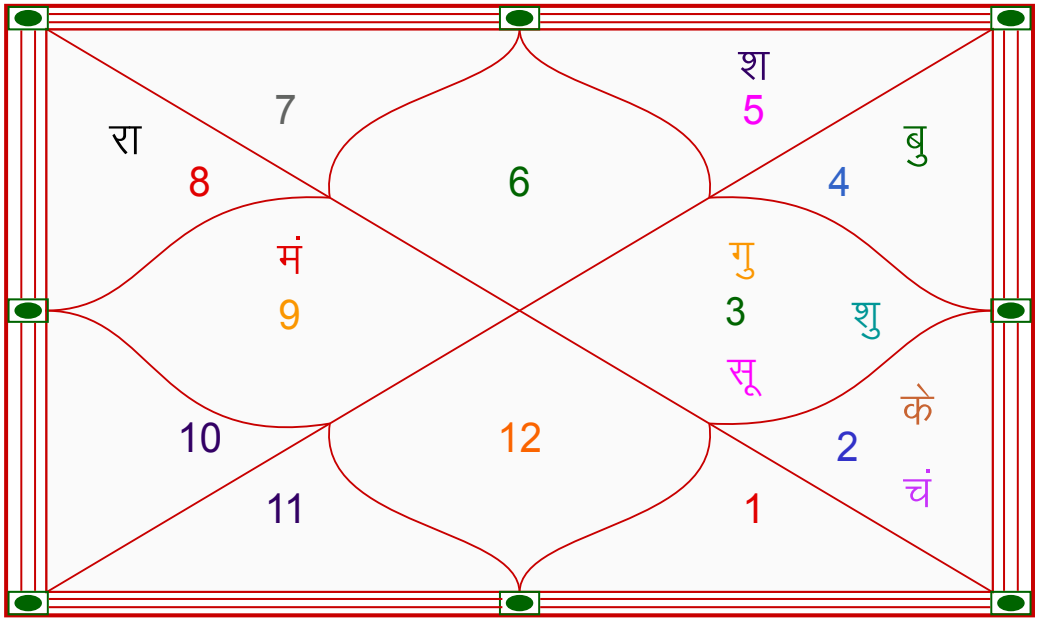

वर्ष चन्द्र कुंडली

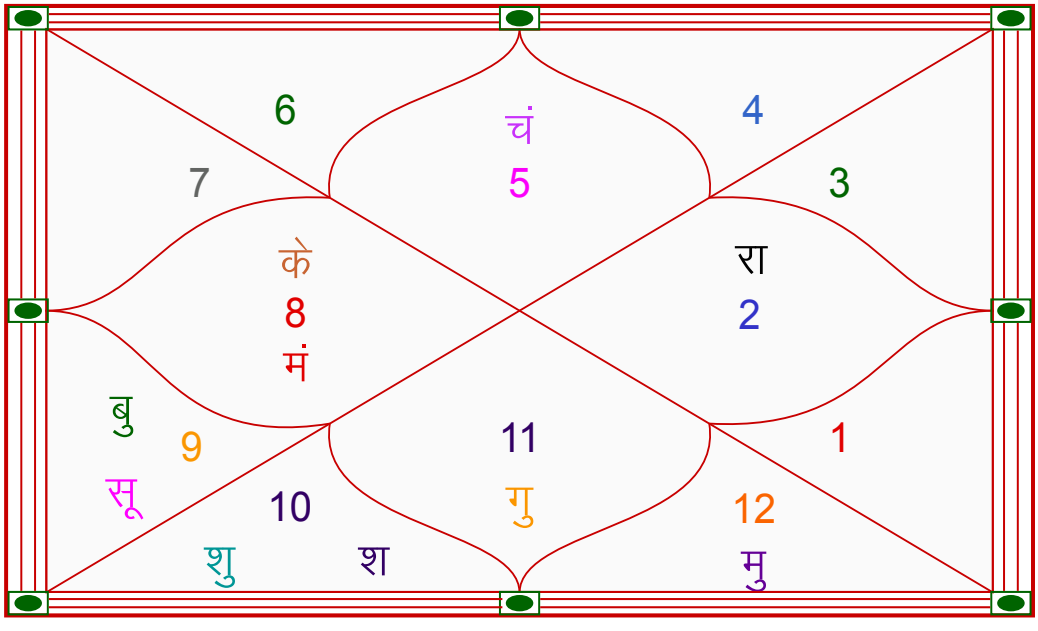

वर्ष नवमांश कुंडली

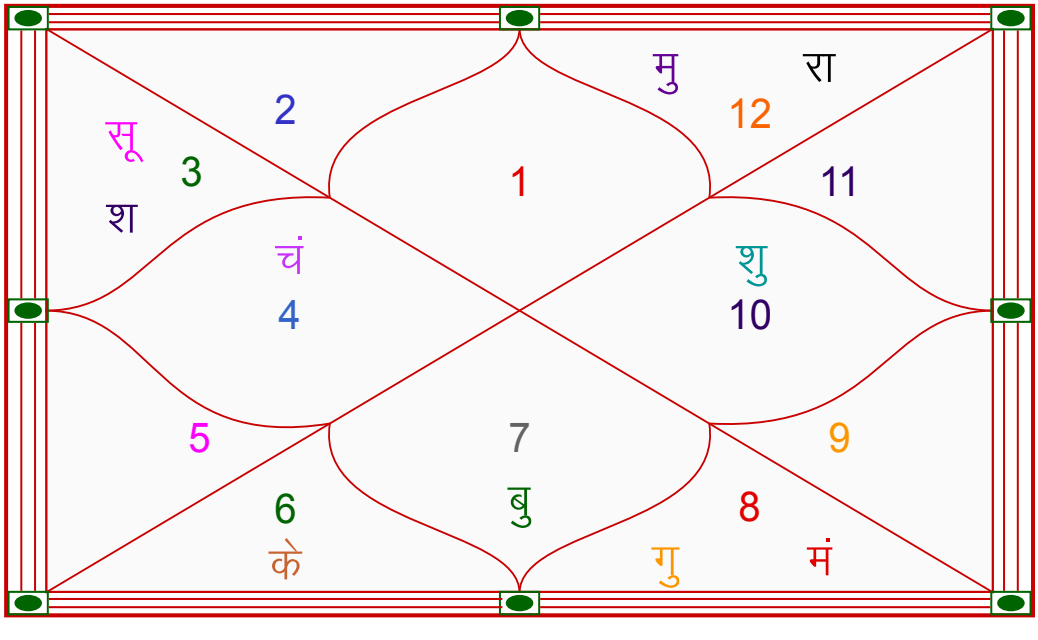

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	———	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
चंद्र	मित्र	———	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम
मंगल	सम	शत्रु	———	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	सम	———	मित्र	सम	सम
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	———	सम	सम
शुक्र	सम	सम	मित्र	सम	सम	———	शत्रु
शनि	सम	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	———

दशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	धनु	सिंह	वृश्चि	धनु	कुंभ	मक	मक
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह
द्रेष्क	वृष	मिथु	धनु	सिंह	कुंभ	तुला	मीन	वृश्चि
चतुर्थ	धनु	मीन	वृश्चि	कुंभ	कन्या	कुंभ	मक	कर्क
पंचम	कन्या	कुंभ	कुंभ	मीन	मिथु	मेष	वृष	मीन
षष्ठ	धनु	वृष	मिथु	धनु	सिंह	वृष	तुला	मक
सप्तम	वृष	कुंभ	तुला	सिंह	वृष	मीन	कर्क	तुला
अष्टम	सिंह	कर्क	वृश्चि	वृश्चि	वृश्चि	कन्या	मेष	सिंह
नवम	मेष	मिथु	कर्क	वृश्चि	तुला	वृश्चि	मक	मिथु
दशम	सिंह	मीन	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	मीन	कन्या	कुंभ
एकादश	धनु	कुंभ	वृश्चि	मीन	कर्क	कुंभ	धनु	मिथु
द्वादश	मक	मीन	धनु	मेष	कन्या	मेष	मक	कर्क

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	5	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	0	5
तृतीय बल	5	0	0	0	5	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	5	5	5	10	10
बल	**क्षीण**	**क्षीण**	**क्षीण**	**क्षीण**	**क्षीण**	**सामान्य**	**सामान्य**

दशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	सम	शत्रु	स्व
होरा	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	सम
द्रेष्क	शत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	सम	मित्र
चतुर्थ	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	सम	शत्रु	सम
पंचम	सम	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	सम
षष्ठ	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	स्व
सप्तम	सम	सम	सम	सम	स्व	सम	शत्रु
अष्टम	मित्र	शत्रु	स्व	सम	मित्र	मित्र	सम
नवम	शत्रु	स्व	स्व	सम	शत्रु	शत्रु	सम
दशम	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	स्व	सम	स्व
एकादश	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम
द्वादश	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	सम
शुभ	6	4	6	7	4	3	4
सम	4	2	2	4	5	5	7
अशुभ	2	6	4	1	3	4	1
कुल	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	22.50	30.00	22.50	15.00	7.50	30.00
उच्च बल	6.56	9.06	11.76	9.09	3.34	10.53	10.34
हददा बल	3.75	7.50	7.50	7.50	7.50	7.50	3.75
द्रेष्काण	2.50	2.50	5.00	5.00	5.00	5.00	7.50
नवमांश	1.25	5.00	5.00	2.50	1.25	1.25	2.50
कुल	36.56	46.56	59.26	46.59	32.09	31.78	54.09
विंशोपक	9.14	11.64	14.81	11.65	8.02	7.94	13.52
बल	**सामान्य**	**शुभ**	**शुभ**	**शुभ**	**सामान्य**	**सामान्य**	**शुभ**

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	13.52	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	11.65	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	8.02	दृष्टि नहीं	**शनि**
दिवापति	सूर्य	9.14	अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	7.94	अतिशुभ	

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

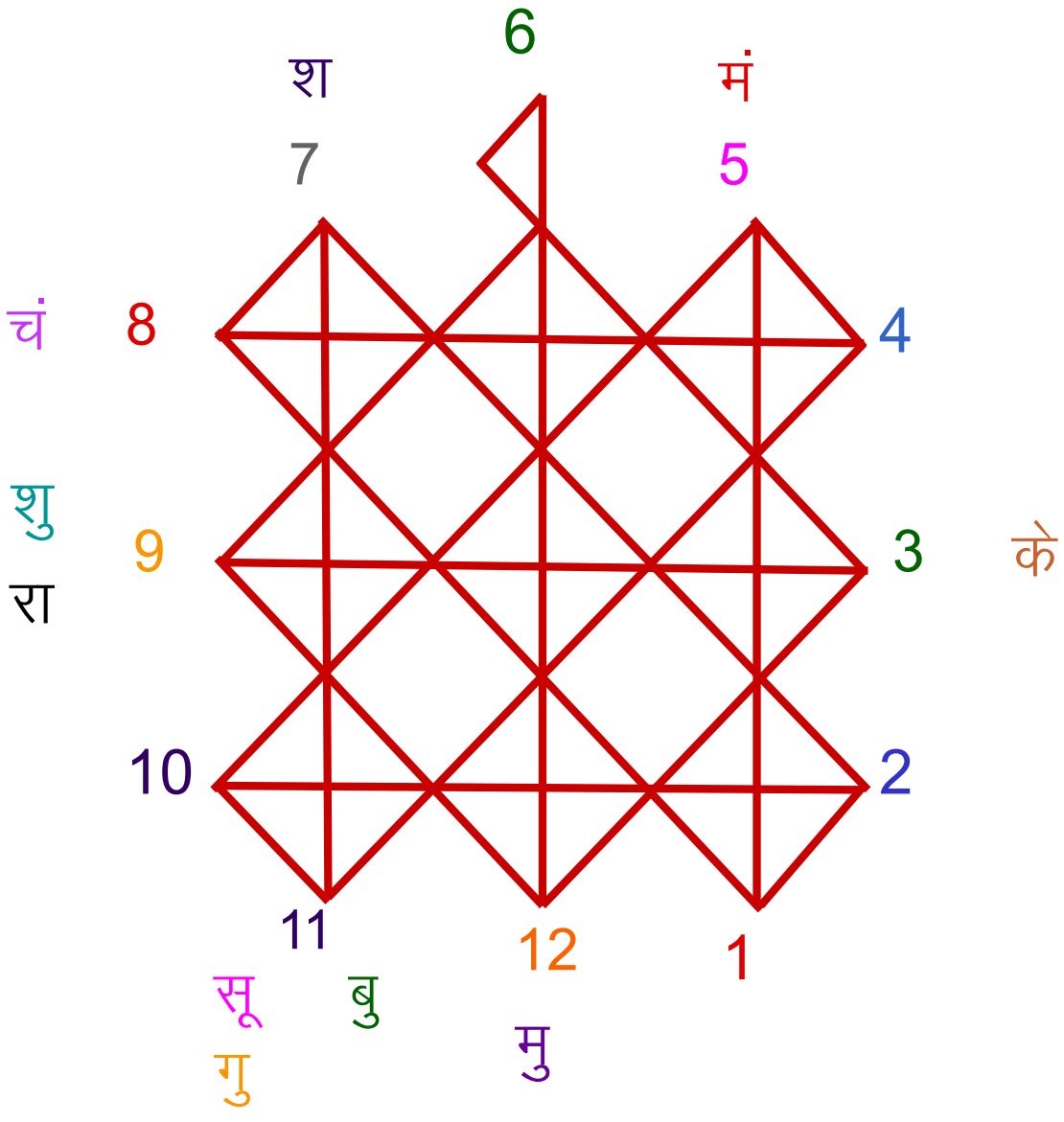

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	टना तिथि
पुण्य	मक	09:22:09	शनि	01/02/2023
गुरु	मिथु	14:11:41	बुध	19/05/2022
ज्ञान	मिथु	14:11:41	बुध	19/05/2022
यश	सिंह	16:07:50	सूर्य	17/06/2022
मित्र	कर्क	26:54:37	चंद्र	02/09/2022
माहात्म्य	कर्क	16:14:49	चंद्र	25/08/2022
आशा	सिंह	26:32:09	सूर्य	25/06/2022
समर्थ	वृश्चि	21:07:56	मंगल	02/01/2022
भातृ	तुला	29:49:13	शुक्र	07/10/2022
गौरव	मिथु	15:26:36	बुध	20/05/2022
राजा	सिंह	03:49:30	सूर्य	09/06/2022
पितृ	सिंह	03:49:30	सूर्य	09/06/2022
मातृ	कुंभ	02:04:47	शनि	11/01/2022
सुत	मीन	05:21:51	गुरु	29/01/2022
जीव	सिंह	23:44:37	सूर्य	23/06/2022
अम्बु	कुंभ	02:04:47	शनि	11/01/2022
कर्म	वृश्चि	21:07:56	मंगल	02/01/2022
रोग	सिंह	11:26:18	सूर्य	14/06/2022
कामदेव	मक	23:31:40	शनि	01/01/2022
कलि	मिथु	20:35:43	बुध	25/05/2022
क्षेम	मिथु	20:35:43	बुध	25/05/2022

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	टना तिथि
शास्त्र	धनु	05:08:45	गुरु	10/12/2022
बन्धु	मक	23:31:40	शनि	01/01/2022
बंधक	मक	23:31:40	शनि	01/01/2022
मृत्यु	कन्या	17:24:35	बुध	22/07/2022
परदेश	कुंभ	21:59:42	शनि	03/02/2022
अर्थ	मिथु	21:54:41	बुध	26/05/2022
परदारा	वृश्चि	04:29:33	मंगल	22/01/2023
अन्यकर्म	वृष	06:14:17	शुक्र	02/05/2022
वणिक	मिथु	00:02:11	बुध	07/05/2022
कार्यसिद्धि	मेष	12:58:39	मंगल	15/06/2022
विवाह	सिंह	26:32:09	सूर्य	25/06/2022
प्रसूति	वृश्चि	23:37:06	मंगल	04/01/2022
संताप	सिंह	17:24:35	सूर्य	18/06/2022
श्रद्धा	वृश्चि	29:41:03	मंगल	11/01/2022
प्रीति	मीन	16:36:28	गुरु	11/02/2022
बल	सिंह	16:07:50	सूर्य	17/06/2022
देह	सिंह	16:07:50	सूर्य	17/06/2022
जाडय	वृश्चि	20:02:09	मंगल	31/12/2021
व्यापार	सिंह	02:25:55	सूर्य	08/06/2022
जलपतन	वृश्चि	20:02:09	मंगल	31/12/2021
शत्रु	कर्क	08:38:01	चंद्र	20/08/2022
शौर्य	धनु	07:19:01	गुरु	13/12/2022
उपाय	सिंह	23:44:37	सूर्य	23/06/2022
दरिद्रता	मक	09:22:09	शनि	01/02/2023
गुरुता	कुंभ	12:45:23	शनि	24/01/2022
जलपथ	मेष	09:47:59	मंगल	11/06/2022
बंधन	कन्या	04:10:07	बुध	12/07/2022
कन्या	कुंभ	02:04:47	शनि	11/01/2022
अश्व	कन्या	12:17:34	बुध	18/07/2022

पात्यंश दशा

शुक्र	
25/12/2021	
21/01/2022	
शुक्र	27/12/2021
गुरु	30/12/2021
सूर्य	04/01/2022
चंद्र	07/01/2022
लग्न	07/01/2022
मंगल	10/01/2022
शनि	14/01/2022
बुध	21/01/2022

गुरु	
21/01/2022	
14/03/2022	
गुरु	28/01/2022
सूर्य	06/02/2022
चंद्र	12/02/2022
लग्न	12/02/2022
मंगल	17/02/2022
शनि	24/02/2022
बुध	10/03/2022
शुक्र	14/03/2022

सूर्य	
14/03/2022	
16/05/2022	
सूर्य	25/03/2022
चंद्र	31/03/2022
लग्न	01/04/2022
मंगल	07/04/2022
शनि	15/04/2022
बुध	02/05/2022
शुक्र	07/05/2022
गुरु	16/05/2022

चंद्र	
16/05/2022	
23/06/2022	
चंद्र	20/05/2022
लग्न	20/05/2022
मंगल	24/05/2022
शनि	29/05/2022
बुध	08/06/2022
शुक्र	11/06/2022
गुरु	16/06/2022
सूर्य	23/06/2022

लग्न	
23/06/2022	
28/06/2022	
लग्न	23/06/2022
मंगल	23/06/2022
शनि	24/06/2022
बुध	25/06/2022
शुक्र	26/06/2022
गुरु	27/06/2022
सूर्य	28/06/2022
चंद्र	28/06/2022

मंगल	
28/06/2022	
30/07/2022	
मंगल	01/07/2022
शनि	05/07/2022
बुध	14/07/2022
शुक्र	16/07/2022
गुरु	21/07/2022
सूर्य	27/07/2022
चंद्र	30/07/2022
लग्न	30/07/2022

पात्यंश दशा

शनि	
30/07/2022	
18/09/2022	
शनि	06/08/2022
बुध	19/08/2022
शुक्र	23/08/2022
गुरु	30/08/2022
सूर्य	08/09/2022
चंद्र	13/09/2022
लग्न	14/09/2022
मंगल	18/09/2022

बुध	
18/09/2022	
25/12/2022	
बुध	14/10/2022
शुक्र	22/10/2022
गुरु	04/11/2022
सूर्य	21/11/2022
चंद्र	01/12/2022
लग्न	03/12/2022
मंगल	12/12/2022
शनि	25/12/2022

बुध	
18/09/2022	
25/12/2022	
बुध	14/10/2022
शुक्र	22/10/2022
गुरु	04/11/2022
सूर्य	21/11/2022
चंद्र	01/12/2022
लग्न	03/12/2022
मंगल	12/12/2022
शनि	25/12/2022

बुध	
18/09/2022	
25/12/2022	
बुध	14/10/2022
शुक्र	22/10/2022
गुरु	04/11/2022
सूर्य	21/11/2022
चंद्र	01/12/2022
लग्न	03/12/2022
मंगल	12/12/2022
शनि	25/12/2022

नोट उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

सूर्य		चंद्र		मंगल	
25/12/2021		**12/01/2022**		**11/02/2022**	
12/01/2022		**11/02/2022**		**05/03/2022**	
	25/12/2021	चंद्र	14/01/2022	मंगल	12/02/2022
चंद्र	27/12/2021	मंगल	16/01/2022	राहु	16/02/2022
मंगल	28/12/2021	राहु	21/01/2022	गुरु	19/02/2022
राहु	31/12/2021	गुरु	25/01/2022	शनि	22/02/2022
गुरु	02/01/2022	शनि	30/01/2022	बुध	25/02/2022
शनि	05/01/2022	बुध	03/02/2022	केतु	26/02/2022
बुध	08/01/2022	केतु	05/02/2022	शुक्र	02/03/2022
केतु	09/01/2022	शुक्र	10/02/2022	सूर्य	03/03/2022
शुक्र	12/01/2022	सूर्य	11/02/2022	चंद्र	05/03/2022

राहु		गुरु		शनि	
05/03/2022		**28/04/2022**		**16/06/2022**	
28/04/2022		**16/06/2022**		**13/08/2022**	
राहु	13/03/2022	गुरु	05/05/2022	शनि	25/06/2022
गुरु	20/03/2022	शनि	13/05/2022	बुध	03/07/2022
शनि	29/03/2022	बुध	19/05/2022	केतु	07/07/2022
बुध	05/04/2022	केतु	22/05/2022	शुक्र	16/07/2022
केतु	09/04/2022	शुक्र	30/05/2022	सूर्य	19/07/2022
शुक्र	18/04/2022	सूर्य	02/06/2022	चंद्र	24/07/2022
सूर्य	21/04/2022	चंद्र	06/06/2022	मंगल	27/07/2022
चंद्र	25/04/2022	मंगल	09/06/2022	राहु	05/08/2022
मंगल	28/04/2022	राहु	16/06/2022	गुरु	13/08/2022

मुद्दा दशा

बुध	
13/08/2022	
04/10/2022	
बुध	20/08/2022
केतु	23/08/2022
शुक्र	01/09/2022
सूर्य	03/09/2022
चंद्र	08/09/2022
मंगल	11/09/2022
राहु	19/09/2022
गुरु	25/09/2022
शनि	04/10/2022

केतु	
04/10/2022	
25/10/2022	
केतु	05/10/2022
शुक्र	08/10/2022
सूर्य	09/10/2022
चंद्र	11/10/2022
मंगल	12/10/2022
राहु	16/10/2022
गुरु	19/10/2022
शनि	22/10/2022
बुध	25/10/2022

शुक्र	
25/10/2022	
25/12/2022	
शुक्र	04/11/2022
सूर्य	07/11/2022
चंद्र	12/11/2022
मंगल	16/11/2022
राहु	25/11/2022
गुरु	03/12/2022
शनि	13/12/2022
बुध	21/12/2022
केतु	25/12/2022

सूर्य	
25/12/2022	
00/00/0000	
सूर्य	25/12/2022
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

नोट उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - राहु	
25/07/2020 11:05	
06/01/2021 06:44	
राहु	19/08/2020 04:26
गुरु	10/09/2020 03:51
शनि	06/10/2020 06:10
बुध	29/10/2020 14:33
केतु	08/11/2020 05:18
शुक्र	05/12/2020 16:34
सूर्य	13/12/2020 22:21
चंद्र	27/12/2020 16:00
मंगल	06/01/2021 06:44

शनि - शनि - गुरु	
06/01/2021 06:44	
01/06/2021 18:53	
गुरु	25/01/2021 19:34
शनि	18/02/2021 00:17
बुध	10/03/2021 18:24
केतु	19/03/2021 07:31
शुक्र	12/04/2021 17:32
सूर्य	20/04/2021 01:20
चंद्र	02/05/2021 06:21
मंगल	10/05/2021 19:28
राहु	01/06/2021 18:53

शनि - बुध - बुध	
01/06/2021 18:53	
19/10/2021 01:32	
बुध	21/06/2021 12:25
केतु	29/06/2021 15:25
शुक्र	22/07/2021 20:31
सूर्य	29/07/2021 19:39
चंद्र	10/08/2021 10:12
मंगल	18/08/2021 13:11
राहु	08/09/2021 10:35
गुरु	27/09/2021 00:16
शनि	19/10/2021 01:32

शनि - बुध - केतु	
19/10/2021 01:32	
15/12/2021 09:55	
केतु	22/10/2021 09:49
शुक्र	31/10/2021 23:13
सूर्य	03/11/2021 20:02
चंद्र	08/11/2021 14:44
मंगल	11/11/2021 23:01
राहु	20/11/2021 13:29
गुरु	28/11/2021 05:00
शनि	07/12/2021 06:55
बुध	15/12/2021 09:55

शनि - बुध - शुक्र	
15/12/2021 09:55	
28/05/2022 06:26	
शुक्र	11/01/2022 17:20
सूर्य	19/01/2022 21:57
चंद्र	02/02/2022 13:40
मंगल	12/02/2022 03:04
राहु	08/03/2022 16:57
गुरु	30/03/2022 13:17
शनि	25/04/2022 11:56
बुध	18/05/2022 17:02
केतु	28/05/2022 06:26

शनि - बुध - सूर्य	
28/05/2022 06:26	
16/07/2022 10:12	
सूर्य	30/05/2022 17:25
चंद्र	03/06/2022 19:44
मंगल	06/06/2022 16:33
राहु	14/06/2022 01:31
गुरु	20/06/2022 14:49
शनि	28/06/2022 09:37
बुध	05/07/2022 08:45
केतु	08/07/2022 05:34
शुक्र	16/07/2022 10:12

शनि - बुध - चंद्र	
16/07/2022 10:12	
06/10/2022 08:27	
चंद्र	23/07/2022 06:03
मंगल	28/07/2022 00:45
राहु	09/08/2022 07:41
गुरु	20/08/2022 05:51
शनि	02/09/2022 05:11
बुध	13/09/2022 19:44
केतु	18/09/2022 14:26
शुक्र	02/10/2022 06:09
सूर्य	06/10/2022 08:27

शनि - बुध - मंगल	
06/10/2022 08:27	
02/12/2022 16:50	
मंगल	09/10/2022 16:45
राहु	18/10/2022 07:12
गुरु	25/10/2022 22:43
शनि	04/11/2022 00:39
बुध	12/11/2022 03:38
केतु	15/11/2022 11:55
शुक्र	25/11/2022 01:19
सूर्य	27/11/2022 22:08
चंद्र	02/12/2022 16:50

शनि - बुध - राहु	
02/12/2022 16:50	
29/04/2023 04:07	
राहु	24/12/2022 19:44
गुरु	13/01/2023 11:38
शनि	05/02/2023 20:01
बुध	26/02/2023 17:25
केतु	07/03/2023 07:52
शुक्र	31/03/2023 21:45
सूर्य	08/04/2023 06:43
चंद्र	20/04/2023 13:39
मंगल	29/04/2023 04:07

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - गुरु	
29/04/2023 04:07	
07/09/2023 06:08	
गुरु	16/05/2023 15:35
शनि	06/06/2023 09:42
बुध	24/06/2023 23:23
केतु	02/07/2023 14:54
शुक्र	24/07/2023 11:14
सूर्य	31/07/2023 00:33
चंद्र	10/08/2023 22:43
मंगल	18/08/2023 14:14
राहु	07/09/2023 06:08

शनि - बुध - शनि	
07/09/2023 06:08	
09/02/2024 22:02	
शनि	01/10/2023 21:39
बुध	23/10/2023 22:54
केतु	02/11/2023 00:50
शुक्र	27/11/2023 23:29
सूर्य	05/12/2023 18:16
चंद्र	18/12/2023 17:36
मंगल	27/12/2023 19:32
राहु	20/01/2024 03:55
गुरु	09/02/2024 22:02

शनि - केतु - केतु	
09/02/2024 22:02	
04/03/2024 12:47	
केतु	11/02/2024 07:05
शुक्र	15/02/2024 05:33
सूर्य	16/02/2024 09:53
चंद्र	18/02/2024 09:07
मंगल	19/02/2024 18:10
राहु	23/02/2024 07:11
गुरु	26/02/2024 10:45
शनि	01/03/2024 04:29
बुध	04/03/2024 12:47

शनि - केतु - शुक्र	
04/03/2024 12:47	
11/05/2024 00:03	
शुक्र	15/03/2024 18:39
सूर्य	19/03/2024 03:37
चंद्र	24/03/2024 18:34
मंगल	28/03/2024 17:01
राहु	07/04/2024 19:54
गुरु	16/04/2024 19:49
शनि	27/04/2024 12:12
बुध	07/05/2024 01:36
केतु	11/05/2024 00:03

शनि - केतु - सूर्य	
11/05/2024 00:03	
31/05/2024 05:50	
सूर्य	12/05/2024 00:20
चंद्र	13/05/2024 16:49
मंगल	14/05/2024 21:10
राहु	17/05/2024 22:02
गुरु	20/05/2024 14:48
शनि	23/05/2024 19:43
बुध	26/05/2024 16:32
केतु	27/05/2024 20:52
शुक्र	31/05/2024 05:50

शनि - केतु - चंद्र	
31/05/2024 05:50	
03/07/2024 23:28	
चंद्र	03/06/2024 01:18
मंगल	05/06/2024 00:32
राहु	10/06/2024 01:59
गुरु	14/06/2024 13:56
शनि	19/06/2024 22:07
बुध	24/06/2024 16:49
केतु	26/06/2024 16:03
शुक्र	02/07/2024 06:59
सूर्य	03/07/2024 23:28

शनि - केतु - मंगल	
03/07/2024 23:28	
27/07/2024 14:13	
मंगल	05/07/2024 08:32
राहु	08/07/2024 21:33
गुरु	12/07/2024 01:07
शनि	15/07/2024 18:51
बुध	19/07/2024 03:08
केतु	20/07/2024 12:12
शुक्र	24/07/2024 10:39
सूर्य	25/07/2024 14:59
चंद्र	27/07/2024 14:13

शनि - केतु - राहु	
27/07/2024 14:13	
26/09/2024 07:34	
राहु	05/08/2024 16:49
गुरु	13/08/2024 19:08
शनि	23/08/2024 09:53
बुध	01/09/2024 00:20
केतु	04/09/2024 13:21
शुक्र	14/09/2024 16:14
सूर्य	17/09/2024 17:06
चंद्र	22/09/2024 18:33
मंगल	26/09/2024 07:34

शनि - केतु - गुरु	
26/09/2024 07:34	
19/11/2024 06:59	
गुरु	03/10/2024 12:17
शनि	12/10/2024 01:24
बुध	19/10/2024 16:55
केतु	22/10/2024 20:29
शुक्र	31/10/2024 20:23
सूर्य	03/11/2024 13:09
चंद्र	08/11/2024 01:06
मंगल	11/11/2024 04:40
राहु	19/11/2024 06:59

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हों तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवर योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है। यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो यह एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को दे देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह मन्दगति ग्रह शीघ्रगति वाले ग्रह को तेज दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्थशाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल

करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही

अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः—

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आप शारीरिक रूप से विशेष अच्छी नहीं रहेंगी तथा समय समय पर इससे आपको परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी आप इस समय अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।पति एवं बन्धुवर्ग से आप विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगी। साथ ही यदा कदा उनसे आपको कष्ट भी प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा तथा वे आप के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे चिन्तित रहेंगी । धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा भाव नहीं रहेगा तथा धर्म एवं धार्मिक कार्यो की आप उपेक्षा करेंगी ।साथ ही लोभ एव मोह की आप में अधिकता रहेगी।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करेंगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आप अपने वरिष्ठ सहयोगियों तथा उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।इस समय व्यापार आदि में भी आपको अपने सहयोगियों से सावधान रहना चाहिए एवं किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ नहीं करना चाहिए अन्यथा

हानि की संभावना हो सकती है । मित्र वर्ग से भी आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे इस समय आपके साथ शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। आलस्य की भी इस मास आप में अधिकता रहेगी तथा बन्धन आदि का भी भय रहेगा।अतः इस वर्ष को आप सावधानी एवं संयम पूर्वक व्यतीत करेंगी तो सांसारिक समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती है।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः–

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि के भाव की अल्पता रहेगी। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा तथा यदा कदा संबधों में भी मधुरता का अभाव रहेगा। शत्रुपक्ष से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक कठिनाईयां उत्पन्न करेंगे अतः शत्रु पक्ष से आपको पूर्ण सतर्क रहना चाहिए। इस वर्ष में आपके घर में चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में सावधानी पूर्वक रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अन्यत्र आय स्रोतों में भी व्यवधान रहेगा।इसके अतिरिक्त यदा कदा व्यय की अधिकता रहेगी फलतः आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा व्यापार में आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण स्थिति रहेगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण

कार्यो की सिद्धि में परेशानी होगी। अतः ऐसे समय में आपको इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य मानसिक संकल्पों तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको अल्प सफलता प्राप्त होगी। अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः–

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता से कष्ट की अनुभूति करेंगी। मानसिक रूप से भी इस समय शान्ति एवं सन्तुष्टि का अभाव रहेगा तथा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता रहेगी। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे । पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद विद्यमान रहेंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी आप चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा। मातृपक्ष या ससुराल इस वर्ष में आप किंचित मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी । भौतिक सुख संसाधनों की भी आप परिश्रम पूर्वक प्राप्ति करेंगी लेकिन इनका उपभोग अल्प ही होगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्यो को आप अल्प ही सम्पन्न करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगीं तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे परन्तु स्वपराक्रम एवं

परिश्रम से किंचित लाभ हो सकेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में बाधाएं आएंगी तथा विलम्ब होगा। साथ ही अधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे जिससे इनसे आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा। इसके अतिरिक्त समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी विषमता रहेगी। अतः परिश्रम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

प्रथम मास

25/12/2021 00:34:01 से 23/01/2022 11:20:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	11:46:55
सूर्य		धनु	मूल	09:01:32
चन्द्र		सिंह	मघा	11:26:18
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	13:50:02
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:11:03
गुरु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:01:14
शुक्र	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	01:44:10
शनि		मकर	श्रवण	16:58:57
राहु	व	वृष	कृतिका	07:03:45
केतु	व	वृश्चिक	अनुराधा	07:03:45
मुंथा		मीन	रेवती	27:23:15

मासाधिपति : शनि

वर्ष लग्न कुंडली

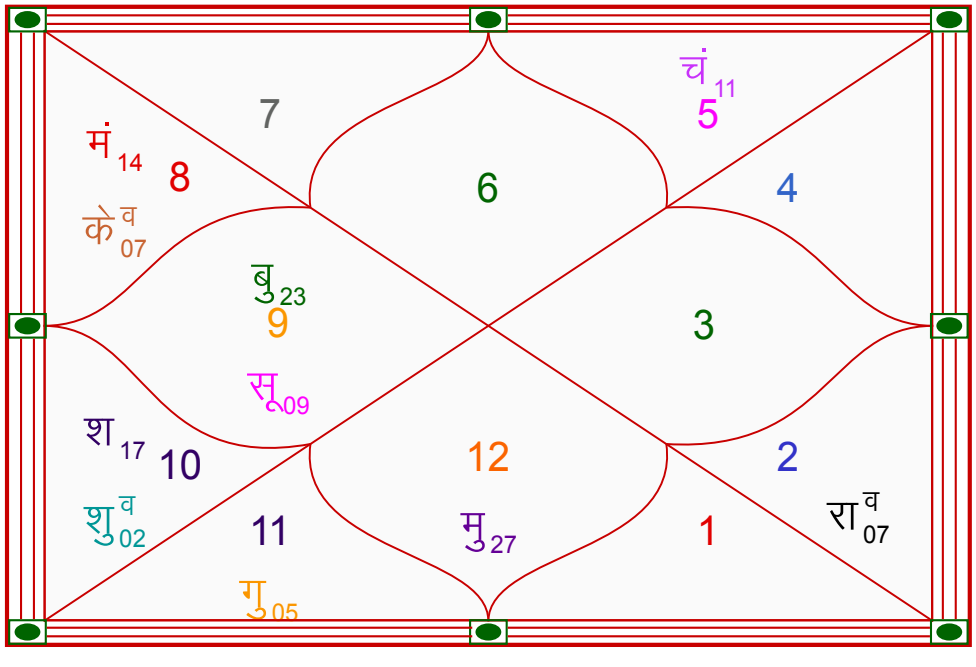

प्रथम मास

25/12/2021 00:34:01 से 23/01/2022 11:20:15 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इस समय पति या बन्धुवर्ग को कष्ट हो सकता है तथा शत्रु भी कई बार अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। आप में उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी एवं धन भी अधिक रूप में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक या मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगी।साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी तथा लोभ के भाव की भी आप में प्रबलता दृष्टिगोचर होगी। इस मास में आपके मित्र भी शत्रुवत आपसे व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से भी संघर्ष या वादविवाद हो सकता है। अतः धैर्यपूर्वक समस्याओं का सामना करने से ही आप शान्ति तथा सुख प्राप्त कर सकती हैं।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा बुद्धिमता से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगी।

द्वितीय मास

23/01/2022 11:20:15 से 22/02/2022 02:08:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	00:10:37
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:01:32
चन्द्र		कन्या	हस्त	10:06:14
मंगल		धनु	मूल	04:54:03
बुध	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	09:28:07
गुरु		कुम्भ	शतभिषा	11:03:47
शुक्र	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:41:29
शनि		मकर	श्रवण	20:16:44
राहु	व	वृष	कृतिका	05:07:04
केतु	व	वृश्चिक	अनुराधा	05:07:04
मुंथा		मीन	रेवती	29:53:15

मासाधिपति : मंगल

वर्ष लग्न कुंडली

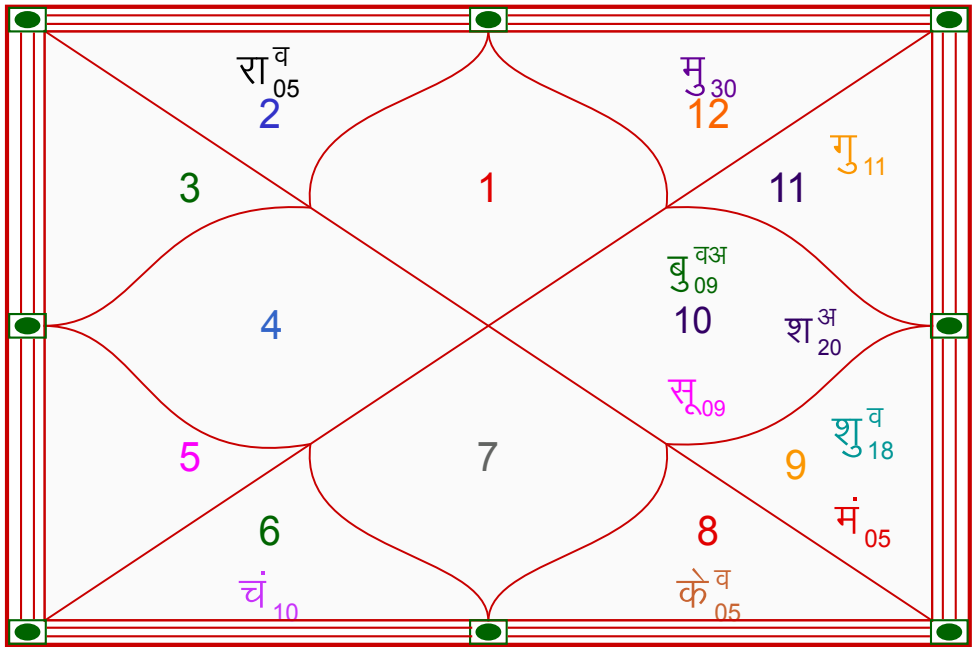

द्वितीय मास

23/01/2022 11:20:15 से 22/02/2022 02:08:02 तक

इस मास में आपको शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे अतः आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगी तथा व्ययाधिक्य भी रहेगा जिससे आप मानसिक रूप से असन्तुष्ट रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य काफी परिश्रम करने के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी आस्था में न्यूनता आएगी जिससे देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकती हैं। इस समय आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से परस्पर सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे तथा नौकरी या व्यापार सम्बन्धी कार्यों में भी आप अनावश्यक बाधाएं प्राप्त करेंगी।साथ ही शत्रु पक्ष भी इस मास आपका प्रबल रहेगा फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करेंगी उसमें परिश्रम पूर्वक ही सफलता मिल सकेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त जनित दोषों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय रूधिर विकार का भी योग बनता है अतः सोच–समझ कर सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास

22/02/2022 02:08:02 से 24/03/2022 02:09:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:14:11
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	09:01:32
चन्द्र		तुला	स्वाति	12:17:11
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:36:30
बुध		मकर	श्रवण	13:14:11
गुरु		कुम्भ	शतभिषा	17:58:43
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:04:14
शनि		मकर	धनिष्ठा	23:48:30
राहु	व	वृष	कृतिका	02:01:57
केतु	व	वृश्चिक	विशाखा	02:01:57
मुंथा		मेष	अश्विनी	02:23:15

मासाधिपति : शनि

वर्ष लग्न कुंडली

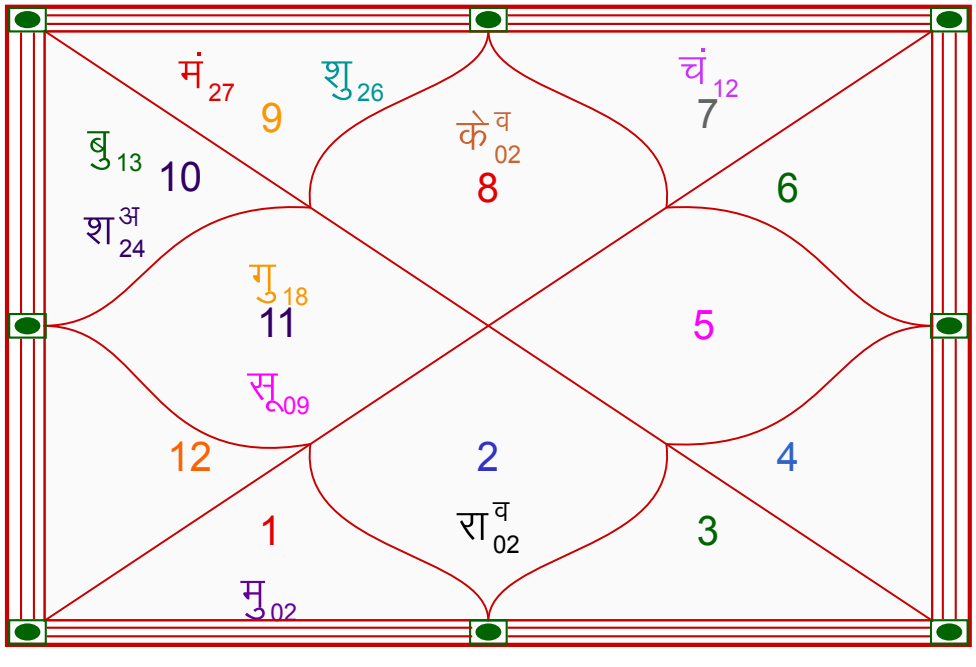

तृतीय मास

22/02/2022 02:08:02 से 24/03/2022 02:09:47 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होगी। इस समय आपके कई शत्रु उत्पन्न होंगे तथा आप इनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से सावधान रहना चाहिए। नौकरी या व्यवसाय में आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी भी प्रकार से दंडित हो सकती हैं। इस मास आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा अनावश्यक रूप से धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके अतिरिक्त आपकी बुद्धि कठोर कार्यों की ओर भी प्रवृत होगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से संबधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे आपस में अनबन रहेगी तथा आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही फलीभूत होंगी।

साथ ही इस मास में गर्मी या पित्तादि दोष से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति होगी एवं किसी प्रकार से रक्त विकार आदि की भी सम्भावना हो सकती है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। इस प्रकार आपको लिए यह मास समान्यतया अशुभ फलदायक ही रहेगा।ह

चतुर्थ मास

24/03/2022 02:09:47 से 23/04/2022 14:22:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:53:42
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	09:01:32
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:57:51
मंगल		मकर	श्रवण	19:01:38
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:19:21
गुरु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:12:34
शुक्र		मकर	श्रवण	22:30:09
शनि		मकर	धनिष्ठा	27:05:47
राहु		मेष	कृतिका	29:30:48
केतु		तुला	विशाखा	29:30:48
मुंथा		मेष	अश्विनी	04:53:15

मासाधिपति : गुरु

वर्ष लग्न कुंडली

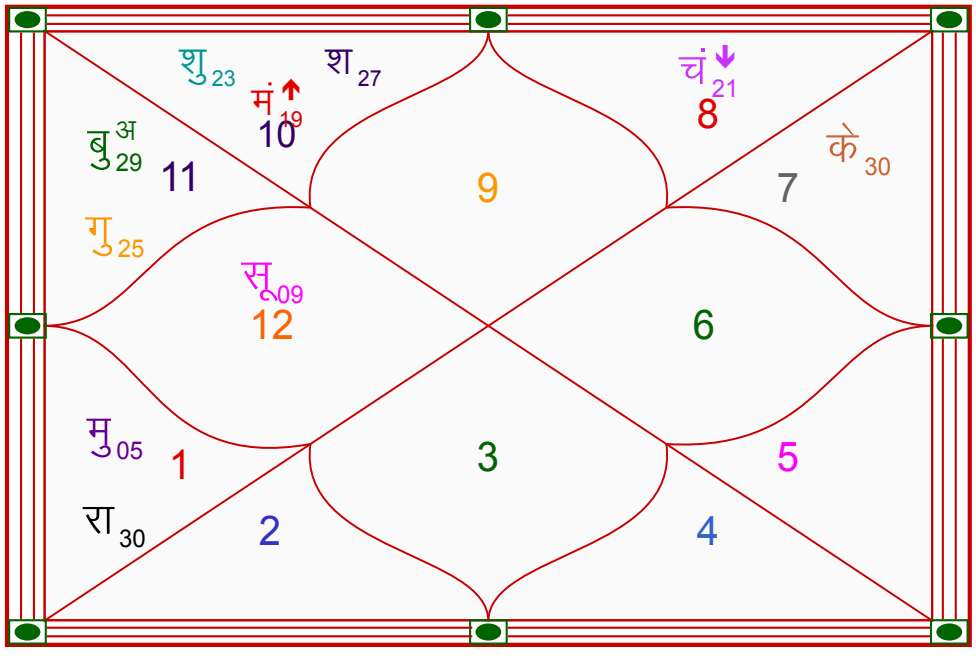

चतुर्थ मास

24/03/2022 02:09:47 से 23/04/2022 14:22:21 तक

इस मास में आप समान्यता शुभ फल ही प्राप्त करेंगी परन्तु अशुभ फल भी न्यून रूप से घटित होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा अपने महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगी। इस मास में आप पुत्र सुख अवश्य प्राप्त करेंगी एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन एवं द्रव्य लाभ होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्वि होगी तथा सभी लोग आपकी महत्ता को मन से स्वीकार करेंगे। इसके साथ ही आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से किसी शुभ समाचार के मिलने की भी सम्भावना रहेगी। आपके मन में धर्म के प्रति भी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप श्रद्धापूर्वक पूजा एवं सेवा करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारीवर्ग से भी आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके साथ ही समाज में आपकी मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताएं भी खत्म होंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप पित्त या गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक अस्वस्थता एवं दुर्बलता प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार रूधिर विकार की भी सम्भावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति इस समय आपको पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए।

पंचम् मास

23/04/2022 14:22:21 से 24/05/2022 14:31:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	11:00:21
सूर्य		मेष	अश्विनी	09:01:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:21:20
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	12:04:00
बुध		मेष	कृतिका	28:02:12
गुरु		मीन	पू०भाद्रपद	02:12:05
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:18:43
शनि		मकर	धनिष्ठा	29:38:49
राहु		मेष	कृतिका	28:29:41
केतु		तुला	विशाखा	28:29:41
मुंथा		मेष	अश्विनी	07:23:15

मासाधिपति : सूर्य

वर्ष लग्न कुंडली

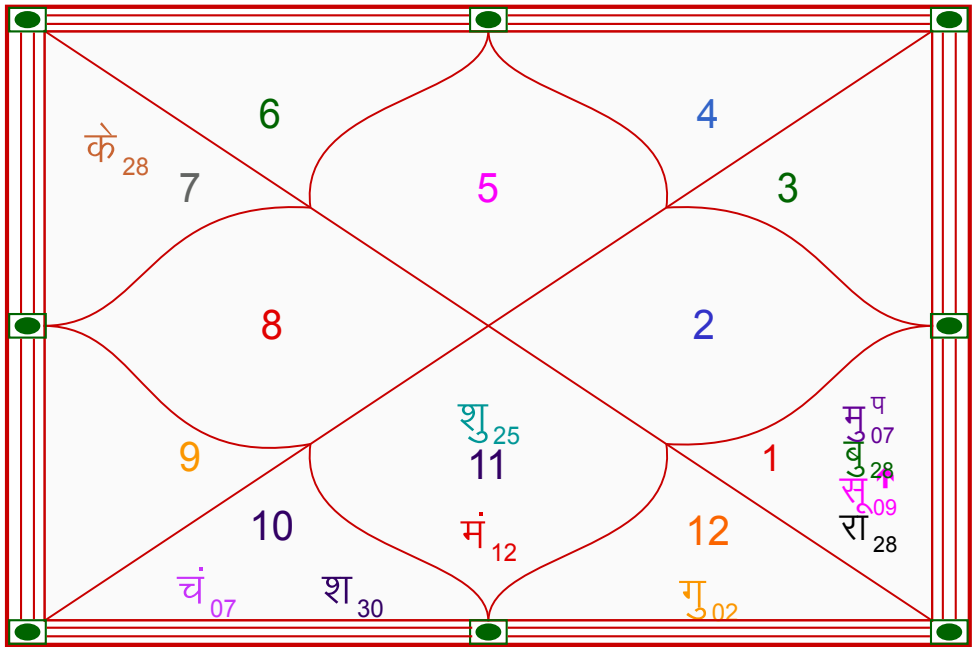

पंचम् मास

23/04/2022 14:22:21 से 24/05/2022 14:31:24 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा ही रहेगा तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन को अर्जित करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। संतति पक्ष से आप निश्चिंत रहेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा। आपकी धार्मिक श्रद्धा में इस समय वृद्धि होगी एवं देवताओं तथा ब्राहमणों का आप हार्दिक पूजन तथा सम्मान करेंगी। साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी फैलेगा। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे जिससे आपकी भाग्योन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा यात्रा से आप लाभ अर्जित करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आप पूर्ण सहयोग एवं सम्मान प्राप्त करेंगी इसके अतिरिक्त समाज में आप सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित महिला के रूप में जानी जाएंगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा इस समय रूधिर विकार का योग भी बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा के प्रति सर्तक रहें।

षष्ठ मास

24/05/2022 14:31:24 से 24/06/2022 23:02:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:48:32
सूर्य		वृष	कृतिका	09:01:32
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:56:40
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	05:23:27
बुध	व	वृष	कृतिका	05:05:19
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	08:18:20
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:52:43
शनि		कुम्भ	धनिष्ठा	00:58:40
राहु		मेष	कृतिका	28:19:03
केतु		तुला	विशाखा	28:19:03
मुंथा		मेष	अश्विनी	09:53:15

मासाधिपति : मंगल

वर्ष लग्न कुंडली

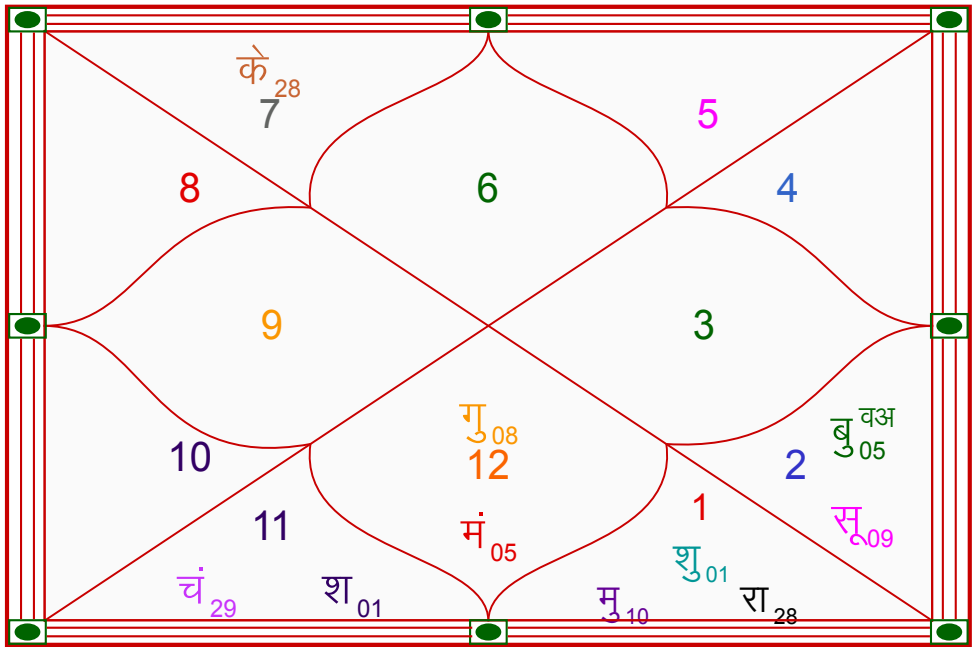

षष्ठ मास

24/05/2022 14:31:24 से 24/06/2022 23:02:18 तक

इस मास में आप अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी ।अतः आप शत्रु पक्ष से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा उनसे आप अनावश्यक कष्ट प्राप्त करेंगी। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कमजोर रहेंगी। इस समय शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में विध्न बाधाएं उत्पन्न होती रहेंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा भावना में न्यूनता आएगी अतः विधिपूर्वक आप धार्मिक वृतियों कापालन नहीं करेंगी आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस मास में दूर की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप कष्ट प्राप्त करेंगी तथा मुकद्दमे आदि में धन व्यय हो सकता है जिससे मानसिक रूप से आप अप्रसन्न तथा अशान्त रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्तदोष से उत्पन्न रोग से पीड़ित रहेंगी तथा रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

सप्तम् मास

24/06/2022 23:02:18 से 26/07/2022 09:52:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	12:08:07
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	09:01:32
चन्द्र		मेष	भरणी	20:56:43
मंगल		मीन	रेवती	28:22:20
बुध		वृष	रोहिणी	17:55:45
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	12:42:57
शुक्र		वृष	कृतिका	07:51:54
शनि	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:46:14
राहु		मेष	कृतिका	27:48:14
केतु		तुला	विशाखा	27:48:14
मुंथा		मेष	अश्विनी	12:23:15

मासाधिपति : मंगल

वर्ष लग्न कुंडली

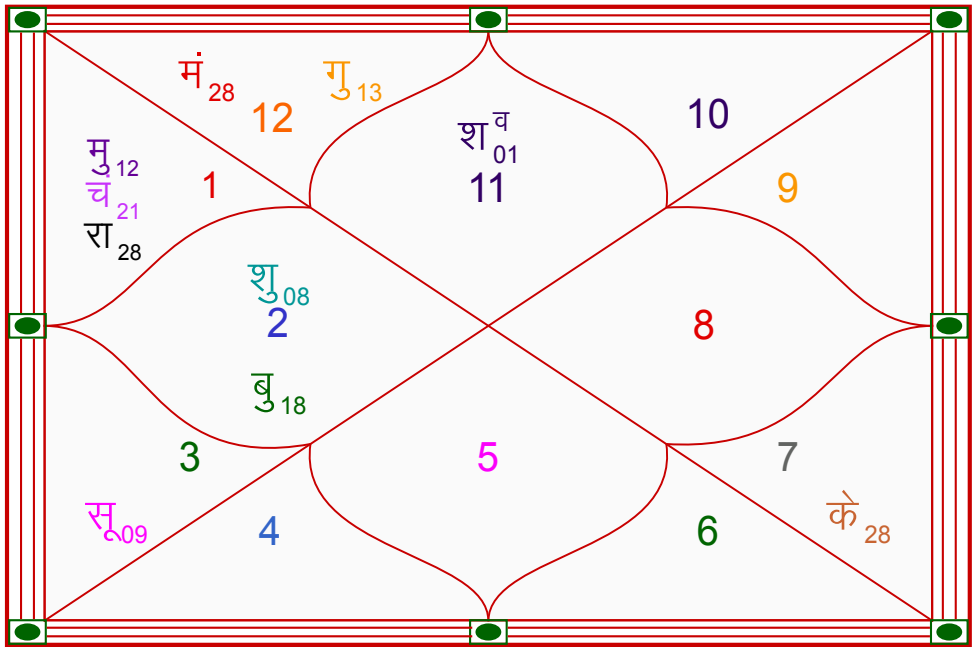

सप्तम् मास

24/06/2022 23:02:18 से 26/07/2022 09:52:24 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा अन्य प्रकार से भी सुखोपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगी। अन्य लोगों की भलाई के लिए भी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय भी प्राप्त करेंगी जिससे आपके सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। इस मास भाई बहिनों का आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आपसी संबध भी मधुरता से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय में पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र द्रव्य या स्वर्णादि के आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

26/07/2022 09:52:24 से 26/08/2022 16:17:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:53:38
सूर्य		कर्क	पुष्य	09:01:32
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	10:59:20
मंगल		मेष	भरणी	20:06:04
बुध		कर्क	आश्लेषा	19:18:53
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	14:32:12
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:38:44
शनि	व	मकर	धनिष्ठा	29:08:53
राहु	व	मेष	भरणी	25:38:40
केतु	व	तुला	विशाखा	25:38:40
मुंथा		मेष	भरणी	14:53:15

मासाधिपति : बुध

वर्ष लग्न कुंडली

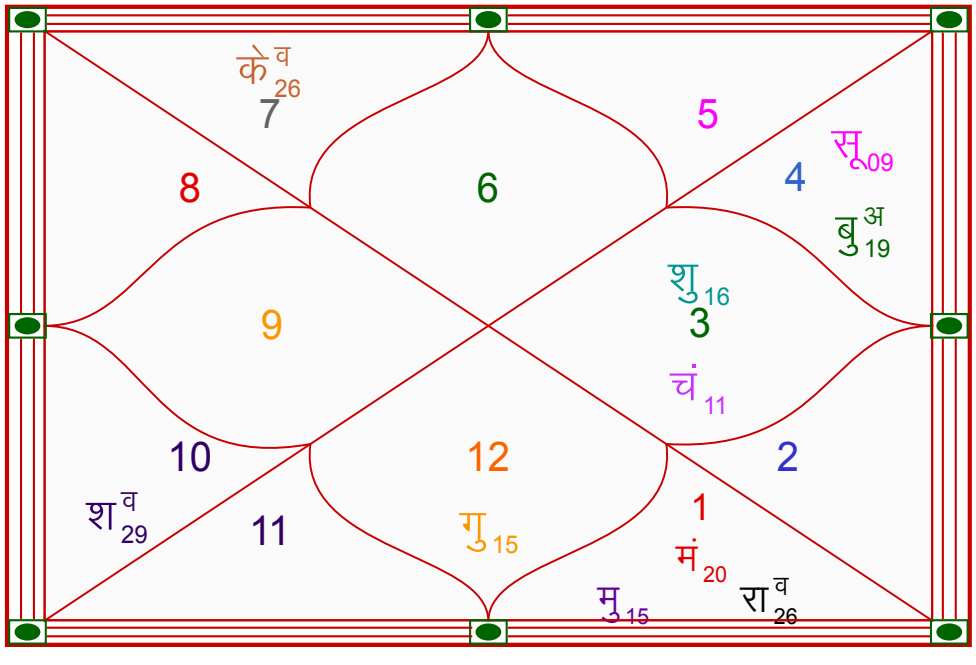

अष्टम् मास

26/07/2022 09:52:24 से 26/08/2022 16:17:11 तक

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। इस महीने में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा ही रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक एवं मानसिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी कर सकती है। इस समय आपके सांसारिक कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होंगे फलतः इनमें आपको अल्प सफलता ही प्राप्त होगी। इसके कारण आप मानसिक रूप से तनाव तथा अशान्ति का अनुभव करेंगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की अभिवृद्धि होगी जिसके कारण महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त धन भी आप प्रचुर मात्रा में अर्जित करेंगी तथा धर्मानुपालन में प्रवृत रह कर समाज में यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में न्यूनाधिक सफल रहेंगी।

नवम् मास

26/08/2022 16:17:11 से 26/09/2022 12:52:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:08:06
सूर्य		सिंह	मघा	09:01:32
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	28:50:54
मंगल		वृष	कृतिका	09:20:28
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:14:32
गुरु	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:14:12
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	23:50:09
शनि	व	मकर	धनिष्ठा	26:51:36
राहु	व	मेष	भरणी	22:10:27
केतु	व	तुला	विशाखा	22:10:27
मुंथा		मेष	भरणी	17:23:15

मासाधिपति : गुरु

वर्ष लग्न कुंडली

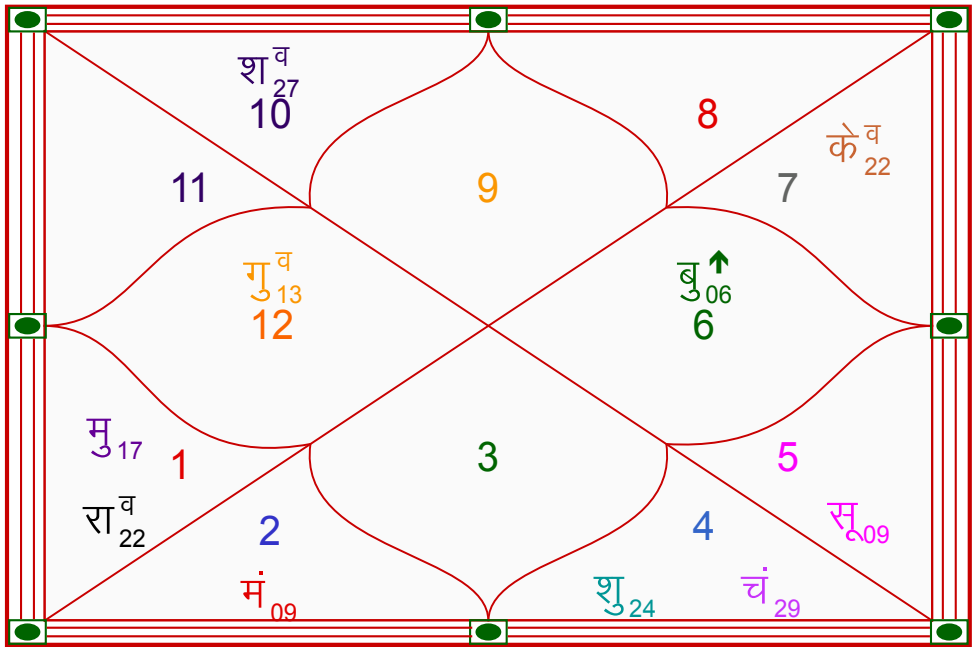

नवम् मास

26/08/2022 16:17:11 से 26/09/2022 12:52:25 तक

इस महीने में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य पदार्थो को अर्जित करेंगी तथा पुत्र से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी इस मास में आप रूचिशील रहेंगी। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस मास में आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा शुभ समाचारों को भी आप प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा उचित लाभ प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूप से मानसिक शान्ति प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार की संभावना भी रहेगी। अतः अपने समस्त कार्यो को सावधानी पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् मास

26/09/2022 12:52:25 से 26/10/2022 21:05:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	05:05:55
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:01:32
चन्द्र		कन्या	हस्त	13:47:09
मंगल		वृष	मृगशिरा	24:12:10
बुध	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:00:23
गुरु	व	मीन	उ०भाद्रपद	09:35:28
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:04:00
शनि	व	मकर	धनिष्ठा	25:00:30
राहु	व	मेष	भरणी	19:44:19
केतु	व	तुला	स्वाति	19:44:19
मुंथा		मेष	भरणी	19:53:15

मासाधिपति : बुध

वर्ष लग्न कुंडली

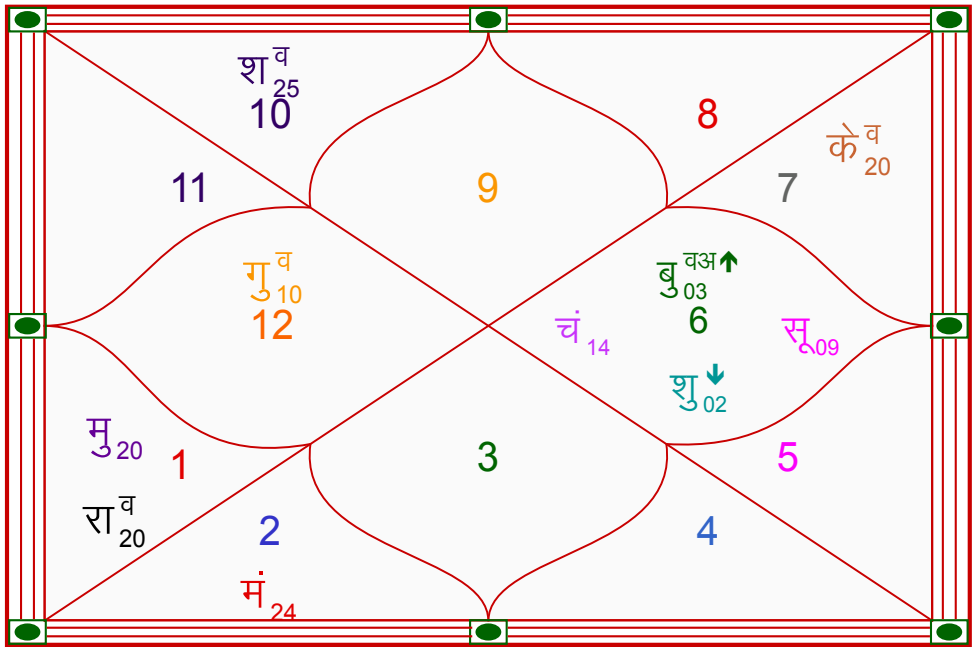

दशम् मास

26/09/2022 12:52:25 से 26/10/2022 21:05:22 तक

इस महीने में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिमता से ही सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। इस मास में आपको विविध प्रकार के द्रव्यों की प्राप्ति होगी तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। साथ ही ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी जिसमें आप सफलता प्राप्त करेंगी। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को ससम्मान स्वीकार करेंगे।साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार की भी आपको प्राप्ति होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप विधिपूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगी। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी एवं मन से आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय अपनी बुद्धिमता के द्वारा आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सन्तोषप्रद रहेगी। इस प्रकार आपका यह मास अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

एकादश मास

26/10/2022 21:05:22 से 25/11/2022 17:46:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	05:35:52
सूर्य		तुला	स्वाति	09:01:32
चन्द्र		तुला	विशाखा	24:28:54
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	01:20:00
बुध		तुला	चित्रा	00:30:50
गुरु	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:58:01
शुक्र		तुला	स्वाति	09:59:24
शनि		मकर	धनिष्ठा	24:25:36
राहु		मेष	भरणी	19:11:39
केतु		तुला	स्वाति	19:11:39
मुंथा		मेष	भरणी	22:23:15

मासाधिपति : शुक्र

वर्ष लग्न कुंडली

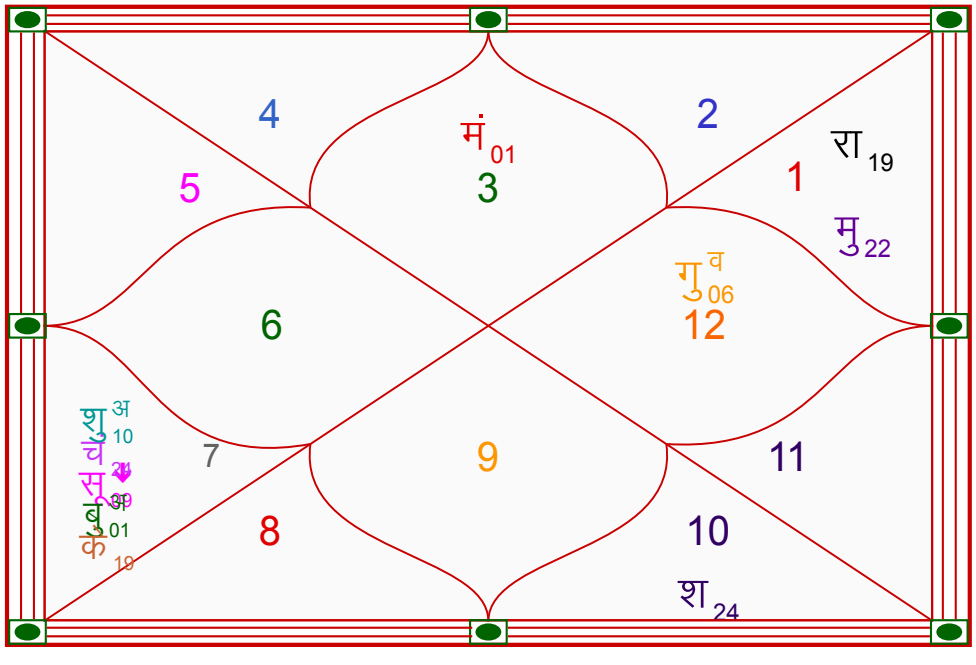

एकादश मास

26/10/2022 21:05:22 से 25/11/2022 17:46:09 तक

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा आनन्दपूर्वक इसे व्यतीत करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा सौभाग्य से युक्त होकर अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगी एवं इसमें सफलता प्रप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। इस मास में समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस समय आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस मास में आपको नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों की प्राप्ति भी हो सकेगी। अतः सुख पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।

द्वादश मास

25/11/2022 17:46:09 से 25/12/2022 06:41:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	15:51:43
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	09:01:32
चन्द्र		धनु	मूल	00:15:38
मंगल	व	वृष	मृगशिरा	26:41:16
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:28:14
गुरु		मीन	उ०भाद्रपद	04:37:45
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:26:30
शनि		मकर	धनिष्ठा	25:21:11
राहु	व	मेष	भरणी	19:10:01
केतु	व	तुला	स्वाति	19:10:01
मुंथा		मेष	भरणी	24:53:15

मासाधिपति : शनि

वर्ष लग्न कुंडली

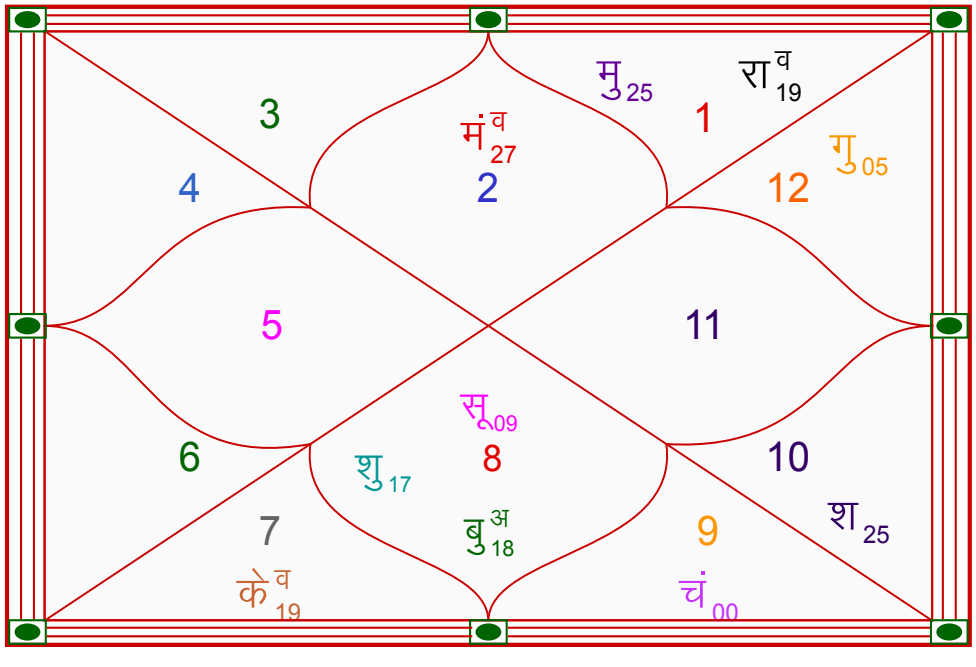

द्वादश मास

25/11/2022 17:46:09 से 25/12/2022 06:41:13 तक

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से अशांत तथा असन्तुष्ट रहेंगी। साथ ही धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में कठिन परिश्रम के उपरान्त भी असफलता ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का ही भाव रखेंगी। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से अच्छे सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं आपकी इच्छाएं इस समय पूर्ण नहीं होंगी।

साथ ही इस मास में आप वातोत्पन्न रोगों से दुःखी रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा भी हानि की सम्भावना रहेगी। अतः सोच समझ कर सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।